IJMRSETM

e-ISSN: 2395 - 7639

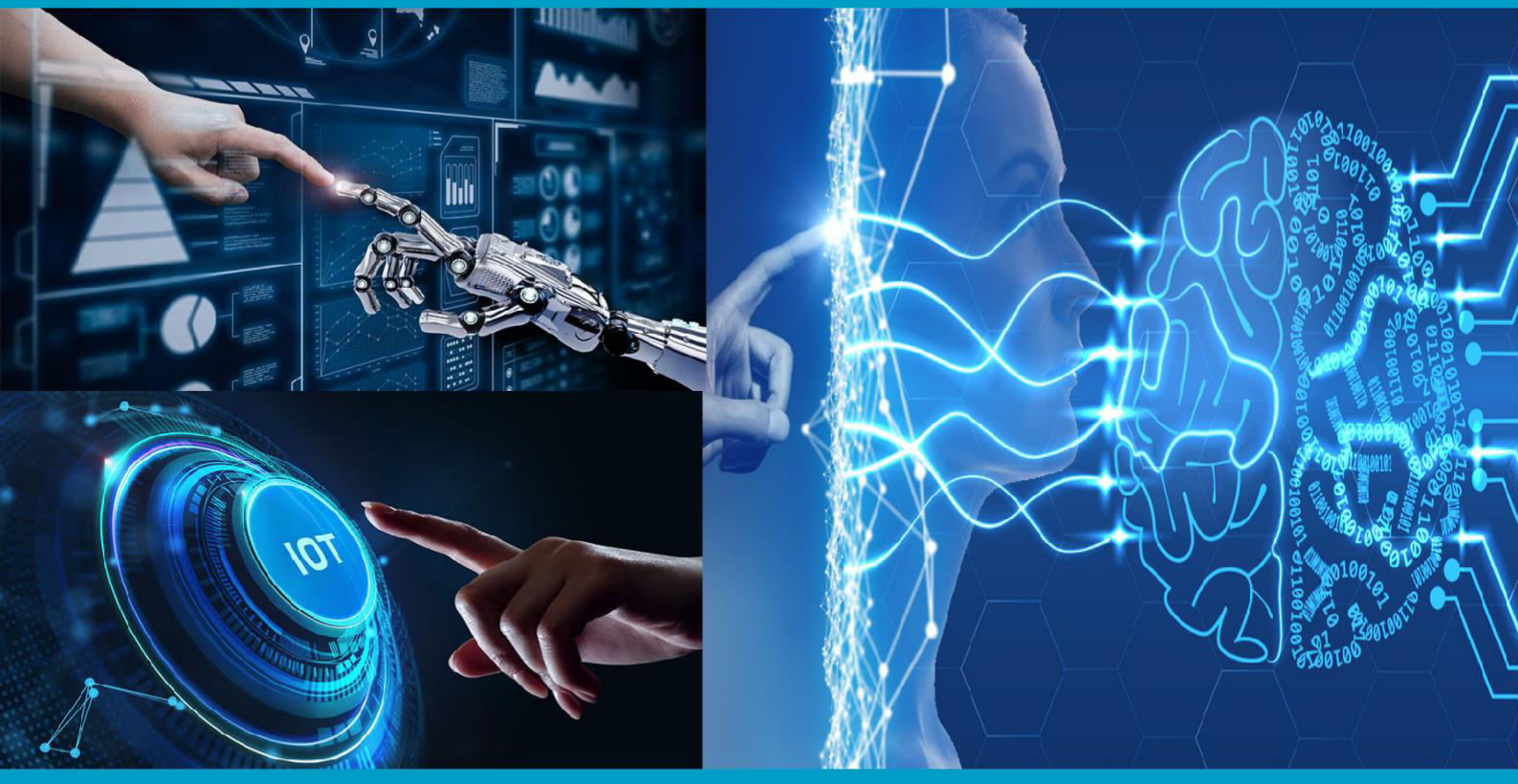

INTERNATIONAL JOURNAL OF MULTIDISCIPLINARY RESEARCH

IN SCIENCE, ENGINEERING, TECHNOLOGY AND MANAGEMENT

Volume 10, Issue 7, July 2023

INTERNATIONAL STANDARD SERIAL NUMBER INDIA

Impact Factor: 7.580

| ISSN: 2395-7639 | www.ijmrsetm.com | Impact Factor: 7.580| A Monthly Double-Blind Peer Reviewed Journal |

| Volume 10, Issue 7, July 2023 |

भारत में उत्तराखण्ड का भूगोल

Sumitra Kumari

Lecturer, Dept. of Geography, Shree Tagore College, Jhalara Road, Kuchaman City, Nagaur, Rajasthan, India

सार

उत्तराखण्ड भौगोलिक रूप से भारत के उत्तर में ३०° २०' उत्तरी अक्षांश ७८° ०४' पूर्वी रेखांश से लेकर ३०° ३३' उत्तरी अक्षांश ७८° ०६' पूर्वी रेखांश पर है।[1] इसके पूर्व में नेपाल और उत्तर में तिब्बत(चीन) है। देश के भीतर उत्तर प्रदेश दक्षिण में और हिमाचल प्रदेश उत्तर पश्चिम में इसके पड़ोसी हैं। उत्तराखण्ड के दो मण्डल हैं: कुमाऊँ और गढ़वाल।

परिचय

उत्तराखण्ड के प्राकृतिक भू-भाग, धरातलीय ऊँचाई, वर्षा की मात्रा में भिन्नता होने के कारण उत्तराखण्ड के क्षेत्रीय भाषा मानवीय क्रिया-कलापों में विभिन्नता होना स्वाभाविक है। इसीलिए इस प्रदेश को विभिन्न भू-भागों में बाँटा गया है। ये भू-भाग है:
(क) बृहत्तर हिमालय क्षेत्र
(ख) मध्य हिमालय
(ग) दून या शिवालिक
(घ) तराई व भाभर क्षेत्र
(च) हरिद्वार का मैदानी भूभाग

बृहत्तर हिमालय क्षेत्र

बृहत्तर हिमालय का भूभाग हिमाच्छादित रहता है। यहाँ नन्दा देवी सर्वोच्च शिखर है जिसकी ऊँचाई ७,८१७ मीटर है। इसके अतिरिक्त कामेत, गंगोत्री, चौखम्बा, बन्दरपूँछ, केदारनाथ, बद्रीनाथ, त्रिशूल बद्रीनाथ शिखर है जो ६,००० मीटर से ऊँचे है। फूलों की घाटी तथा कुछ छोटे-छोटे घास के मैदान जिन्हें बुग्याल के नाम से जानते हैं, भी इसमें सम्मिलित हैं। इस भू-भाग में केदारनाथ, गंगोत्री आदि प्रमुख हिमनद है जैसे कि गंगोत्री हिमनद, यमनोत्री हिमनद, जो गंगा-यमुना आदि नदियों के उद्गम स्थल है। यह भू-भाग अधिकतर ग्रेनाइट, नीस व शिष्ट शैलों से आवृत है।[1,2,3]

मध्य हिमालय

बृहत्तर हिमालय के दक्षिण में मध्य-हिमालय भूभाग फैला हुआ है जो ७५ कि॰मी॰ चौड़ा है। इस भूभाग में गढ़वाल के अन्तर्गत टिहरी गढ़वाल तथा कुमाऊँ के अन्तर्गत अल्मोड़ा और नैनीताल का उत्तरी भाग भी सम्मिलित है जो कि ३,००० से ५,००० मी. तक के भूभाग में फैले हुए है।

दून या शिवालिक

यह क्षेत्र मध्य हिमालय के दक्षिण में विद्यमान है। इसे बाह्य हिमालय के नाम से भी पुकारते हैं। इस क्षेत्र के अन्तर्गत ६,००० मीटर से १,५०० मीटर ऊँचे वाले क्षेत्र अल्मोड़ा के दक्षिणी क्षेत्र, मध्यवर्ती नैनीताल, देहरादून मिला है। शिवालिक एवँ मध्य श्रेणियों के बीच क्षैतिज दूरी पाई जाती है जिन्हें दून कहा जाता है। दून का अर्थ घाटियों से है। इस घाटी के अन्तर्गत २४ से ३२ कि॰मी॰ चौड़ी ३५० से ७५० मी. ऊँची देहरादून की घाटी अत्यन्त महत्वपूर्ण है जो कि वर्तमान समय में उत्तराखण्ड की राजधानी है। अन्य दून घाटियों के रूप में देहरादून, पवलीदून, केहरीदून आदि प्रमुख हैं।

तराई व भाभर क्षेत्र

तराई व भाभर क्षेत्र के अन्तर्गत हरिद्वार और उधम सिंह नगर के मैदानी क्षेत्र सम्मिलित हैं। इस भाग में पर्वतीय क्षेत्र सम्मिलित है। हालाँकि इस भाग में पर्वतीय नदियाँ, नालों, रेतीली भूमि के अदृश्य हो जाती है।

हरिद्वार का मैदानी भूभाग

इस क्षेत्र की उत्तरी सीमा ३०० मी. की समोच्च रेखा द्वारा निर्धारित होती है जो गढ़वाल और कुमाऊँ को पृथक करती है। हरिद्वार एक विश्वविख्यात और महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल है जहाँ बारह वर्ष के बाद कुम्भ मेला लगता है।

| ISSN: 2395-7639 | www.ijmrsetm.com | Impact Factor: 7.580| A Monthly Double-Blind Peer Reviewed Journal |

| Volume 10, Issue 7, July 2023 |

मौसम

उत्तराखण्ड का मौसम दो भागों में विभाजित किया जा सकता है: पर्वतीय और कम पर्वतीय या समतलीय। उत्तर और उत्तरपूर्व में मौसम हिमालयी उच्च भूमियों का प्रतीकात्मक है, जहाँ पर मॉनसून का वर्ष पर बहुत प्रभाव है।

यह अनुभाग खाली है, अर्थात पर्याप्त रूप से विस्तृत नहीं है या अधूरा है। आपकी सहायता का स्वागत है!

उत्तराखंड हिमालय की जलबायु पर उच्चाबच का स्पष्ट प्रभाव देखाये देता है।गर्मी ऋतु में नदी घटिया बहुत ग्राम हो जाती है जबकि 75 किलोमीटर दूर पर्बत की चोटी पर बर्फ जमी मिलती है। शीत ऋतु में तंग घटियो में कोहरा पड़ता है।जून के अंत तक बर्षा करने बाली मानसूनी हवाएं उत्तराखंड हिमालय क्षेत्र में प्रवेश कर जाती है तथा मध्य सितम्बर तक बर्षा करती रहती है।शीत ऋतु में जनवरी से मार्च तक 7-8 दिन हिमपात रहता है।[5,7,8]

विचार-विमर्श

उत्तराखण्ड राज्य को प्रशासनिक कारणों से तीन मण्डलों में बांटा गया है: कुमाऊँ, गढ़वाल और गैरसैंण

<table>
<tr><th>मण्डल</th><th>जिले</th><th>मानचित्र</th></tr>
<tr><td>कुमाऊँ</td><td>• उधम सिंह नगर
• चम्पावत
• नैनीताल
• पिथौरागढ़</td><td rowspan="2">
</td></tr>
<tr><td>गढ़वाल</td><td>• उत्तरकाशी
• टिहरी गढ़वाल
• देहरादून
• पौड़ी गढ़वाल
• [[हरिद्वार जिला|हरिद्वार]]
इन दोनों मण्डलों में से गढ़वाल मण्डल, जनसंख्या और क्षेत्रफल दोनों ही दृष्टि से कुमाऊँ मण्डल से बड़ा है। गढ़वाल मण्डल का कुल क्षेत्रफल ३२,४४८.३ (६०.६७%) वर्ग किमी है और कुमाऊँ मण्डल का २१,०३४.७ (३९.३३%)। इसी प्रकार राज्य की अधिकतर जनसंख्या भी गढ़वाल मण्डल में निवास करती है। राज्य की कुल ८४,८९,३४९ कि जनसंख्या में से ४९,२५,३८० (५८.०२%) लोग गढ़वाल मण्डल में और ३५,६३,९६९ (४१.९८%) लोग कुमाऊँ मण्डल में निवास करते हैं।
राज्य के दोनों मण्डलों की तुलनात्मक तालिका:
<table><tr><th>क्रमांक</th><th>मानदण्ड</th><th>कुमाऊँ मण्डल</th><th>गढ़वाल मण्डल</th></tr></table></td></tr>
</table>

| ISSN: 2395-7639 | www.ijmrsetm.com | Impact Factor: 7.580| A Monthly Double-Blind Peer Reviewed Journal |

| Volume 10, Issue 7, July 2023 |

१.	क्षेत्रफल (किमी^{२})	२१,०३४.७	३२,४४८.३
२.	क्षेत्रफल (%)	३९.३३	६०.६७
३.	जनसंख्या	३५,६३,९६९	४९,२५,३८०
४.	जनसंख्या (%)	४१.९८	५८.०२
५.	जनसंख्या घनत्व (/किमी^{२})	१६९.४३	१५१.७९
६.	सर्वाधिक बड़ा नगर	हल्द्वानी	देहरादून
७.	सर्वाधिक बड़ा जिला	पिथौरागढ़	उत्तरकाशी

उत्तराखण्ड के 2 मण्डल हैं, कुमाऊँ और गढ़वाल। दोनों मण्डलों के जिलों की सूची निम्नलिखित है:

गढ़वाल मण्डल के जिले

- उत्तरकाशी
- चमोली
- रुद्रप्रयाग
- टिहरी गढ़वाल
- पौड़ी गढ़वाल
- हरिद्वार
- देहरादून

कुमाऊँ मण्डल के जिले

| ISSN: 2395-7639 | www.ijmrsetm.com | Impact Factor: 7.580| A Monthly Double-Blind Peer Reviewed Journal |

| Volume 10, Issue 7, July 2023 |

- पिथौरागढ़
- बागेश्वर
- अल्मोड़ा
- चंपावत
- नैनीताल
- उधम सिंह नगर

परिणाम

उत्तरकाशी या उत्तर काशी भारत के उत्तराखण्ड राज्य के गढ़वाल का एक जिला है। इस जिले का मुख्यालय उत्तरकाशी कस्बा है।[9,10,11]

उत्तरकाशी जिला हिमालय रेंज की ऊँचाई पर बसा हुआ है और इस जिले में गंगा और यमुना दोनों नदियों का उद्गम है, जहाँ पर हज़ारों हिन्दू तीर्थयात्री प्रति वर्ष पधारते हैं। उत्तरकाशी कस्बा, गंगोत्री जाने के मुख्य मार्ग में पड़ता है, जहाँ पर बहुत से मंदिर हैं और यह एक प्रमुख हिन्दू तीर्थयात्रा केन्द्र माना जाता है। जिले के उत्तर और उत्तरपश्चिम में हिमाचल प्रदेश राज्य, उत्तरपूर्व में तिब्बत, पूर्व में चमोली जिला, दक्षिणपूर्व में रूद्रप्रयाग जिला, दक्षिण में टिहरी गढ़वाल जिला और दक्षिणपश्चिम में देहरादून जिला पड़ते हैं।

चमोली भारतीय राज्य उत्तरांचल का एक जिला है। बर्फ से ढके पर्वतों के बीच स्थित यह जगह काफी खूबसूरत है। चमोली अलकनंदा नदी के समीप बद्रीनाथ मार्ग पर स्थित है। यह उत्तराचंल राज्य का एक जिला है। यह प्रमुख धार्मिल स्थानों में से एक है। काफी संख्या में पर्यटक यहां आते हैं। चमोली की प्राकृतिक सुंदरता पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती है। पूरे चमोली जिले में कई ऐसे मंदिर है जो हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। चमोली में ऐसे कई बड़े और छोटे मंदिर है तथा ऐसे कई स्थान है जो रहने की सुविधा प्रदान करते हैं। इस जगह को चाती कहा जाता है। चाती एक प्रकार की झोपड़ी है जो अलकनंदा नदी के तट पर स्थित है। चमोली मध्य हिमालय के बीच में स्थित है।

अलकनंदा नदी यहाँ की प्रसिद्ध नदी है जो तिब्बत की जासकर श्रेणी से निकलती है।

चमोली का क्षेत्रफल 8,030 वर्ग कि.मी. है।

रुद्रप्रयाग जिला भारत के उत्तराखण्ड राज्य के गढ़वाल का एक जिला है। इस जिले का कुल क्षेत्रफल २,४३९ वर्ग किमी है। रुद्रप्रयाग क्स्बा में इस जिले का प्रशासनिक मुख्यालय स्थित है।

यह जिला उत्तर में उत्तरकाशी जिले, पूर्व में चमोली जिले, दक्षिण में पौड़ी जिले और दक्षिण में टिहरी जिले से घिरा हुआ है।

टिहरी गढ़वाल भारत के उत्तराखण्ड राज्य का एक जिला है। पर्वतों के बीच स्थित यह स्थान बहुत सौन्दर्य युक्त है। प्रति वर्ष बड़ी संख्या में पर्यटक यहाँ पर घूमने के लिए आते हैं। यह स्थान धार्मिक स्थल के रूप में भी काफी प्रसिद्ध है। यहाँ आप चम्बा, बुढ़ा केदार मंदिर, कैम्पटी फॉल, देवप्रयाग आदि स्थानों में घूम सकते हैं। यहाँ की प्राकृतिक खूबसूरती काफी संख्या में पर्यटकों को अपनी ओर खींचती है। आप को बताते चलें कि हाल ही में "टिहरी गढ़वाल" के नई टिहरी शहर को देश के सबसे विकसित शहरों की सूची में शामिल किया गया है।टिहरी का पुराना नाम “त्रिहरी” था ।

पौड़ी गढ़वाल भारतीय राज्य उत्तराखण्ड का एक जिला है। जिले का मुख्यालय पौड़ी है। जो कि 5,440 वर्ग किलोमीटर के भौगोलिक दायरे में बसा है यह ज़िला एक गोले के रूप मैं बसा है जिसके उत्तर मैं चमोली, रुद्रप्रयाग और टिहरी गढ़वाल है, दक्षिण मैं उधमसिंह नगर, पूर्व में अल्मोरा और नैनीताल और पश्चिम मैं देहरादून और हरिद्वार स्थित है। पौढ़ी हेडक्वार्टर है। हिमालय कि पर्वत श्रृंखलाएं इसकी सुन्दरता मैं चार चाँद लगते हैं और जंगल बड़े-बड़े पहाड़ एवं जंगल पौड़ी कि सुन्दरता को बहुत ही मनमोहक बनाते हैं।

हरिद्वार, जिसे हरद्वार भी कहा जाता है, भारतीय राज्य उत्तराखण्ड का एक जिला है, जिसके मुख्यालय हरिद्वार नगर में स्थित हैं। इस जिले के उत्तर में देहरादून जिला, पूर्व में पौड़ी गढ़वाल जिला, पश्चिम में उत्तर प्रदेश राज्य का सहारनपुर जिला तथा दक्षिण में उत्तर प्रदेश राज्य के ही मुजफ्फरनगर तथा बिजनौर जिले हैं।[12,13]

हरिद्वार जिले की स्थापना २८ दिसंबर १९८८ को उत्तर प्रदेश राज्य के सहारनपुर मण्डल के अंतर्गत सहारनपुर जिले की हरिद्वार और रुड़की तहसीलों, मुजफ्फरनगर जिले की सदर तहसील के ५३ गांवों और बिजनौर जिले की नजीबाबाद तहसील के २५ गांवों को मिलाकर हुई थी। ९ नवंबर २००० को हरिद्वार नवगठित उत्तराखण्ड राज्य का हिस्सा बन गया।

२०११ में १८,९०,४२२ की जनसंख्या के साथ यह उत्तराखण्ड का सबसे अधिक जनसंख्या वाला जिला है। हरिद्वार, भेल रानीपुर, रुड़की, मंगलाौर, धन्देरा, झबरेड़ा, लक्सर, लन्ढौरा और मोहनपुर-मोहम्मदपुर जिले के महत्वपूर्ण शहर हैं।

देहरादून, भारत के उत्तराखंड राज्य की राजधानी है इसका मुख्यालय देहरादून नगर में है। इस जिले में ६ तहसीलें, ६ सामुदायिक विकास खंड, १७ शहर और ७६४ आबाद गाँव हैं। इसके अतिरिक्त यहाँ १८ गाँव ऐसे भी हैं जहाँ कोई नहीं रहता।[1] देश की राजधानी

| ISSN: 2395-7639 | www.ijmrsetm.com | Impact Factor: 7.580| A Monthly Double-Blind Peer Reviewed Journal |

| Volume 10, Issue 7, July 2023 |

से २३० किलोमीटर दूर स्थित इस नगर का गौरवशाली पौराणिक इतिहास है। प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर यह नगर अनेक प्रसिद्ध शिक्षा संस्थानों के कारण भी जाना जाता है। यहाँ तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग, सर्वे ऑफ इंडिया, भारतीय पेट्रोलियम संस्थान आदि जैसे कई राष्ट्रीय संस्थान स्थित हैं। देहरादून में वन अनुसंधान संस्थान, भारतीय राष्ट्रीय मिलिटरी कालेज और इंडियन मिलिटरी एकेडमी जैसे कई शिक्षण संस्थान हैं।[2] यह एक प्रसिद्ध पर्यटन स्थल है। अपनी सुंदर दृश्यवाली के कारण देहरादून पर्यटकों, तीर्थयात्रियों और विभिन्न क्षेत्र के उत्साही व्यक्तियों को अपनी ओर आकर्षित करता है। विशिष्ट बासमती चावल, चाय और लीची के बाग इसकी प्रसिद्धि को और बढ़ाते हैं तथा शहर को सुंदरता प्रदान करते हैं।

देहरादून दो शब्दों देहरा और दून से मिलकर बना है। इसमें देहरा शब्द को डेरा का अपभ्रंश माना गया है। जब सिख गुरु हर राय के पुत्र रामराय इस क्षेत्र में आए तो अपने तथा अनुयायियों के रहने के लिए उन्होंने यहाँ अपना डेरा स्थापित किया।[3] कालांतर में नगर का विकास इसी डेरे का आस-पास प्रारंभ हुआ। इस प्रकार डेरा शब्द के दून शब्द के साथ जुड़ जाने के कारण यह स्थान देहरादून कहलाने लगा।[3] कुछ इतिहासकारों का यह भी मानना है कि देहरा शब्द स्वयं में सार्थकता लिए हुए है, इसको डेरा का अपभ्रंश रूप नहीं माना जा सकता है। देहरा शब्द हिंदी तथा पंजाबी में आज भी प्रयोग किया जाता है। हिंदी में देहरा का अर्थ देवग्रह अथवा देवालय है, जबकि पंजाबी में इसे समाधि, मंदिर तथा गुरुद्वारे के अर्थो में सुविधानुसार किया गया है। इसी तरह दून शब्द दूण से बना है और यह दूण शब्द संस्कृत के द्रोणि का अपभ्रंश है। संस्कृत में द्रोणि का अर्थ दो पहाड़ों के बीच की घाटी है। यह भी विश्वास किया जाता है कि यह पूर्व में ऋषि द्रोणाचार्य का डेरा था।

पिथौरागढ़ भारतीय राज्य उत्तराखण्ड का एक जिला है। यह क्षेत्र 7090 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। 2011 के जनसंख्या गणना के अनुसार यहाँ कुल 4,85,993 लोग रहते हैं। जिले का मुख्यालय पिथौरागढ़ है। यहाँ आधिकारिक रूप से और शिक्षा के लिए हिन्दी भाषा का उपयोग किया जाता है। इसके अलावा यहाँ अधिक संख्या में कुमाऊँनी भाषा बोलने वाले लोग रहते हैं। 24 फरवरी 1960 को पिथौरागढ़ की 30 पट्टियां और अल्मोड़े की दो पट्टियों को मिलाकर पिथौरागढ़ जिले का गठन किया गया था।[1]

बागेश्वर ज़िला (Bageshwar district) भारत के उत्तराखण्ड राज्य के कुमाऊँ मण्डल का एक ज़िला है। इसका मुख्यालय बागेश्वर है।

अल्मोड़ा ज़िला (Almora district) भारत के उत्तराखण्ड राज्य के कुमाऊँ मण्डल का एक ज़िला है। इसका मुख्यालय अल्मोड़ा है। अल्मोड़ा अपनी सांस्कृतिक विरासत, हस्तकला, खानपान और ठेठ पहाड़ी सभ्यता व संस्कृति के लिए प्रसिद्ध है।

चम्पावत भारतीय राज्य उत्तराखण्ड का एक जिला है। इसका मुख्यालय चंपावत नगर में है। उत्तराखंड का ऐतिहासिक चंपावत जिला अपने आकर्षक मंदिरों और खूबसूरत वास्तुशिल्प के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। पहाड़ों और मैदानों के बीच से होकर बहती नदियां यहाँ अद्भुत छटा बिखेरती हैं। चंपावत में पर्यटकों को वह सब कुछ मिलता है जो वह एक पर्वतीय स्थान से चाहते हैं। वन्यजीवों से लेकर हरे-भरे मैदानों तक और ट्रैकिंग की सुविधा, सभी कुछ यहां पर है।

चंपावत समुद्र तल से 1615 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। चंपावत नगर कई सालों तक कुमाऊं के शासकों की राजधानी रहा है। चन्द शासकों के किले के अवशेष आज भी चंपावत में देखे जा सकते हैं।[

नैनीताल जिला भारतीय राज्य उत्तराखण्ड का एक जिला है। जिले का मुख्यालय नैनीताल शहर है।

नैनीताल जिला, कुमाऊँ मण्डल में स्थित है और इसके उत्तर में अल्मोड़ा जिला और दक्षिण में उधमसिंहनगर जिला है। हल्द्वानी इस जिले में सबसे बड़ा नगर है।

उधमसिंहनगर भारतीय राज्य उत्तराखण्ड का एक जिला है। जिले का मुख्यालय रुद्रपुर है। इस जिले के काशीपुर , खटीमा , सितारगंज ,किच्छा, जसपुर ,बाजपुर ,गदरपुर , रुद्रपुर और नानकमत्ता नाम की ९ तहसीलें हैं

उधमसिंह नगर पहले नैनीताल जिले में था। लेकिन अक्टूबर १९९५ में इसे अलग जिला बना दिया गया। इस जिले का नाम स्वर्गीय उधम सिंह के नाम पर रखा गया है। उधम सिंह स्वतंत्रता सेनानी थे। जलियांवाला बाग हत्याकांड के मुख्य अंग्रेज अफ़सर जनरल डायर की हत्या इन्होंने ही की थी

उत्तराखंड का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 53,483 किमी^{2} है , जिसमें से 86% पहाड़ी है और 65% जंगल से ढका हुआ है । [1] राज्य के अधिकांश उत्तरी भाग वृहत हिमालय पर्वतमाला का हिस्सा हैं, जो उच्च हिमालयी चोटियों और ग्लेशियरों से ढके हुए हैं, जबकि निचली तलहटी में ब्रिटिश लॉग व्यापारियों और बाद में, स्वतंत्रता के बाद, वन ठेकेदारों द्वारा घने जंगल थे। . हालाँकि, पुनर्वनीकरण के हालिया प्रयासकुछ हद[11,12] तक स्थिति को बहाल करने में सफल रहे हैं। अद्वितीय हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र कई जानवरों (भरल , हिम तेंदुए , तेंदुए और बाघ सहित) की मेजबानी करता है), पौधे और दुर्लभ जड़ी-बूटियाँ। भारत की दो महान नदियाँ, गंगा और यमुना , उत्तराखंड के ग्लेशियरों में जन्म लेती हैं, और असंख्य झीलों, हिमनदों के पिघलने और जलधाराओं से पोषित होती हैं। [2]

| ISSN: 2395-7639 | www.ijmrsetm.com | Impact Factor: 7.580| A Monthly Double-Blind Peer Reviewed Journal |

| Volume 10, Issue 7, July 2023 |

निष्कर्ष

उत्तराखंड हिमालय श्रृंखला के दक्षिणी ढलान पर स्थित है , और जलवायु और वनस्पति ऊंचाई के साथ बहुत भिन्न होती है, उच्चतम ऊंचाई पर ग्लेशियरों से लेकर निचली ऊंचाई पर उष्णकटिबंधीय जंगलों तक। सबसे ऊँची ऊँचाइयाँ बर्फ और नंगी चट्टान से ढकी हुई हैं। नंदा देवी समुद्र तल से 7,816 मीटर (25,643 फीट) की ऊंचाई के साथ उत्तराखंड का उच्चतम भूमि बिंदु है। शारदा सागर जलाशय 187 मीटर (614 फीट)[2,3,5] की ऊंचाई के साथ उत्तराखंड का सबसे निचला भूमि बिंदु है।[3] पश्चिमी हिमालय में अल्पाइन झाड़ियाँ और घास के मैदान 3,000 और 5,000 मीटर (9,800 और 16,400 फीट) के बीच पाए जाते हैं: टुंड्रा और अल्पाइन घास के मैदान उच्चतम ऊंचाई को कवर करते हैं, रोडोडेंड्रोन-प्रभुत्व वाली झाड़ियाँ निचली ऊँचाइयों को कवर करती हैं। पश्चिमी हिमालयी उपअल्पाइन शंकुधारी वन वृक्ष रेखा के ठीक नीचे स्थित हैं; 3,000 से 2,600 मीटर (9,800 से 8,500 फीट) की ऊंचाई पर वे पश्चिमी हिमालय के चौड़ी पत्ती वाले जंगलों में चले जाते हैं, जो 2,600 से 1,500 मीटर (8,500 से 4,900 फीट) की ऊंचाई तक एक बेल्ट में स्थित हैं। 1,500 मीटर (4,900 फीट) की ऊंचाई से नीचे हिमालय के उपोष्णकटिबंधीय देवदार के जंगल हैं । शुष्क तराई-दुआर सवाना और घास के मैदानों की बेल्ट और ऊपरी गंगा के मैदानी नम पर्णपाती वन उत्तर प्रदेश की सीमा के साथ निचले इलाकों को कवर करते हैं। इस बेल्ट को स्थानीय तौर पर भाबर के नाम से जाना जाता है । इन तराई के जंगलों को ज्यादातर कृषि के लिए साफ कर दिया गया है, लेकिन कुछ हिस्से बचे हैं।[4]

राष्ट्रीय उद्यान

उत्तराखंड में भारतीय राष्ट्रीय उद्यानों में जिम कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान, जिसे पहले हेली राष्ट्रीय उद्यान (भारत का सबसे पुराना राष्ट्रीय उद्यान) कहा जाता था, शामिल हैं, जो कि नैनीताल जिले और पौरी गढ़वाल जिले में , फूलों की घाटी राष्ट्रीय उद्यान और चमोली जिले में नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान हैं , जो एक साथ हैं। यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल , हरिद्वार जिले में राजाजी राष्ट्रीय उद्यान , देहरादून जिले और पौड़ी गढ़वाल जिले और गोविंद पशु विहार राष्ट्रीय उद्यान और गंगोत्री राष्ट्रीय उद्यानउत्तरकाशी जिला .[8,9,10]

प्रतिक्रिया दें संदर्भ

1. "उत्तराखंड राज्य" (पीडीएफ) । 23 मई 2012 को मूल (पीडीएफ) से संग्रहीत ।
2. ^ हिमालय की नदियाँ, झीलें और ग्लेशियर। नई दिल्ली : इंडस पब. कं
3. ^ "तराई क्षेत्र में शारदा सागर जलाशय की इचथ्योफॉनल विविधता" (पीडीएफ) । ओपन एकेडमिक्स जर्नल इंडेक्स । 9 सितंबर 2019 को लिया गया ।
4. ^ नेगी, एसएस (1995)। उत्तराखंड: भूमि और लोग। नई दिल्ली: एमडी पब।
5. उत्तराखंड की पर्वत चोटियों की सूची
6. कुमाऊं की पहाड़ियों की झीलें
7. नंदा देवी और फूलों की घाटी राष्ट्रीय उद्यान
8. इंडोमालयन क्षेत्र
9. हिमालयी राज्य
10. भारतीय हिमालय क्षेत्र
11. हिमालय की पारिस्थितिकी
12. हिमालय का भूविज्ञान
13. भारत का भूगोल
14. भारत का भूविज्ञान

Impact Factor: 7.580

INTERNATIONAL JOURNAL
OF MULTIDISCIPLINARY RESEARCH
IN SCIENCE, ENGINEERING, TECHNOLOGY AND MANAGEMENT

+91 99405 72462 +91 63819 07438 ijmrsetm@gmail.com